VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYAPEETH SHAKTI UTTHAN AASHRAM LAKHISARA

(C.C.A) CLASS - IX E

DATE:- 23.04.21. CLASS TEACHER – ANANT KUMAR

विश्व पृथ्वी दिवस

पूरी दुनिया में 22 अप्रैल के दिन ही वर्ल्ड अर्थ डे मनाया जाता हैं. आज के निबंध, में हम जानेगें कि पृथ्वी दिवस कब हैं इसका महत्व क्यों मनाया जाता हैं. इसका इतिहास क्या रहा हैं. आदि विषयों को आज के विश्व पृथ्वी दिवस पर निबंध Essay On Earth Day In Hindi 2021 में कवर किया गया हैं.

पृथ्वी दिवस निबंध

विषय सूचीविश्व पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है, जो पृथ्वी के प्रति आमजन में जागरूकता एवं महत्व को प्रचारित करने का दिन हैं. वर्ष 1970 में एक अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन द्वारा इसकी संकल्पना प्रस्तुत की गई. वर्तमान में 192 से अधिक राष्ट्र पृथ्वी दिवस को मनाते हैं. अर्थ डे जैसे वैश्विक कार्यक्रमों के जरिये समस्त वैश्विक समुदाय एक दिन के लिए एक ही विषय पृथ्वी के बारे में चिन्तन करते हैं. इस अवसर पर पृथ्वी के खतरों ग्लोबल वार्मि, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के विषयों पर सार्थक प्रयास किये जाते हैं.

एक विश्व नागरिक के रूप में पृथ्वी के संरक्षण में हमारे भी कुछ दायित्व हैं. सही मायनों में हम पृथ्वी या धरती की रक्षा न करके वह हमारी रक्षा करती हैं. मगर बदलती वैश्विक परिस्थतियों में एक बार पुनः मानव जाति को अपने अस्तित्व के संकट से बचाव के लिए पृथ्वी को संरक्षित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने पड़ेगे. अब तक के पृथ्वी दिवस के इतिहास को देखे तो यह महज एक औपचारिकता बनकर रहा हैं. हर साल 22 अप्रैल आती हैं और एक बड़े सम्मेलन और कुछ भाषणों के साथ इस दिवस की इति श्री मान ली जाती हैं.

अपने आप में पृथ्वी शब्द बहुत व्यापक हैं. इसमें वह सब कुछ समाहित है जिनसे हमारा जीवन जुड़ा है तथा हम अपने चारों ओर जिन्हें देख सकते हैं. जल, हरियाली, मानव, जीव जन्तु आदि

आदि. धरती को बचाने का तात्पर्य इस पर आने वाले संकटों में हम पहल के जरिये कोई ठोस कदम उठाए. इन प्रयासों को करते रहने के लिए कोई एक दिन वह माध्यम बनें, यही है पृथ्वी दिवस

वर्ष 1970 से पूर्व तक विश्व पृथ्वी दिवस तो मनाया जाता था, मगर इसकी दो तारीखे थी. कई देश 21 मार्च को मनाते थे तो कुछ 22 अप्रैल के दिन. वैसे संयुक्त राष्ट्र संघ भी 21 मार्च को इंटरनेशल अर्थ डे मनाए जाने का समर्थन करता रहा हैं. पिछले 50 वर्षों से भी अधिक का समय बीत जाने के उपरान्त भी लोगों में आज भी जागरूकता का अभाव देखा जा सकता हैं. कुछ पर्यावरण प्रेमी और संस्थाएं भले ही समाज की चिंता करती नजर आए, मगर जब तक हम खुद इसके बारे में गम्भीरता से विचार नहीं करेगे, बड़े परिणाम नहीं आएगे. हम दैनिक जीवन में प्लास्टिक के उपयोग को कम से कम करके, रिसाइकिल की प्रक्रिया को अपनाकर पृथ्वी बचानें में अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं.

“ईश्वर स्वर्ग बनाना चाहता है और धरती वो स्वर्ग है। सुदूर ब्रम्हाण्ड में यहाँ बहुत ढ़ेर सारा प्यार, जीवन, सुंदरता और शांति है। अपने हमजोली के साथ मस्ती करें।.”

पृथ्वी दिवस का इतिहास

जैसा कि हम सभी को बताया जाता हैं कि वर्ष 1969 में पहली बार विश्व पृथ्वी दिवस मनाने का आइडिया प्रस्तुत किया गया तथा पहली बार 1970 में 22 अप्रैल को पहला अंतर्राष्ट्रीय अर्थ डे सेलिब्रेट किया गया. इस दिन की शुरुआत का भी एक घटनाक्रम रहा हैं. इस दिवस को मनाना शुरू करने के पीछे एक घटना जिम्मेदार रही. 1969 में केलिफोर्निया के पास ही एक बड़ा तेल रिसाव हुआ, इस घटना से क्षुब्ध होकर नेल्सन ने राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रयास शुरू किये.

पहले पृथ्वी दिवस के मौके पर अमेरिका के बीस हजार स्टूडेंट्स ने स्वस्थ पर्यावरण के मुद्दे पर एक सम्मेलन बुलाया तथा एक बड़ी रैली निकालकर पर्यावरण आन्दोलन की नीव रखी. व्यापक स्तर पर हो रहे पर्यावरण प्रदूषण के प्रति आम लोगों में जागरूकता पैदा करने तथा तेल रिसाव,

प्रदूषण फैलाने वाली फ़ैक्ट्रियों, ऊर्जा सायंत्रों से होने वाले प्रदूषण, मलजल प्रदूषण, विषैले कचरे, कीटनाशक, जंगलों का नाश और वन्य जीवों का विलुप्तिकरण इन मुद्दों पर आधारित आन्दोलन था.

धीरे धीरे पृथ्वी और पर्यावरण बचाने की चेतना का संचार अमेरिका के बाहर के देशों में भी होने लगा और करीब 141 देशों के 2 करोड़ सक्रिय पर्यावरण प्रेमी इस आन्दोलन से जुड़े. वर्ष 1990 आयोजित पृथ्वी दिवस समारोह ऐतिहासिक था जिसमें सभी देशों ने रिसाइकलिंग की प्रक्रिया को अपनाने पर अपनी स्वीकृति दी. वर्ष 2000 में इसी दिन मंच से ग्लोबल वार्मिंग को एक ज्वलंत वैश्विक मुद्दा बनाया गया. पिछले 50 वर्षों में लोग निरंतर इस मुहीम से जुड़ रहे हैं.

पृथ्वी दिवस के महत्व

ये धरती हम सभी की धरोहर है इन्हें हरी भरी रखना हमारा दायित्व हैं. प्रकृति ने सब कुछ मुफ्त में दिया है सूर्य, चाँद, हवा, पानी, हरियाली पेड़ पौधे जीवन सम्पदा आदि उपहारों की वजह हमारी धरती ही हैं. हमारी पृथ्वी की सतह और भूगर्भ में हमारी जरूरत की समस्त वस्तुएं उपलब्ध हैं मगर वह सिमित है हमें उनका सिमित उपयोग करना चाहिए.

हमारा जीवन सुखी एवं खुशहाल हो इसके लिए पृथ्वी व पर्यावरण संरक्षण के प्रति आम लोगों में जागरूकता होनी आवश्यक हैं. एक दिन जब समूची मानव जाति बैठकर विचार विमर्श करे और अपनी धरती को हरी भरी बनाएं रखने के उपायों पर चर्चा की जाए. एक नागरिक के रूप में हम पर्यावरण को हानि पहुचाने वाली वस्तुओं के उपयोग को कम करके, वनारोपण करके अपना योगदान दे सकते हैं.